चतुर्थ चरण, कार्यक्रम- 04

त्रिदिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला

निर्माण एवं प्रबन्धन : ऑनलाइन शिक्षण

(Creating and Managing : Online Teaching)

18 से 20 जून 2020 तक

संक्षिप्त प्रतिवेदन

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय की बहुआयामी परियोजना **पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन** के अन्तर्गत **श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली** (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) में स्थापित **शिक्षण अधिगम केन्द्र** द्वारा चतुर्थ चरण के कार्यक्रमों में **'निर्माण एवं प्रबन्धनः ऑनलाइन शिक्षण'** विषय पर चतुर्थ त्रिदिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 18 से 20 जून 2020 तक किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को लाइव कक्षा शिक्षण हेतु विभिन्न ऑनलाइन मंचों से अवगत कराना और विभिन्न अधिगम प्रबन्धन प्रणालियों (LMSs) द्वारा आनलाइन शिक्षण के निर्माण एवं प्रबन्धन सम्बन्धी कुशलताओं का विकास करना। ऑनलाइन कार्यशाला का संचालन गूगल मीट के मंच पर किया गया। उद्घाटन सत्र का शुभारम्भ शिक्षण अधिगम केन्द्र की परियोजना अध्यक्ष **प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज** के स्वागत भाषण एवं कार्यशाला सन्दर्भ द्वारा किया गया। तदोपरान्त **प्रो. अनिल दत्तात्रेय सहस्रबुद्धे** (निदेशक, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली) के द्वारा मुख्य अतिथि सम्बोधन एवं अध्यक्षीय भाषण श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के माननीय कुलपति **प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय** द्वारा दिया गया तथा **प्रो. के. भरत भूषण** (संकाय प्रमुख एवं विभागाध्यक्ष, शिक्षा संकाय) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से सत्र सम्पन्न हुआ। कार्यशाला का क्रियान्वयन विशेष रूप से अभिकल्पित 21 सत्रों द्वारा किया गया जिसमें उद्घाटन, प्रबोधन, 08 प्रदर्शन आधारित तकनीकी सत्र एवं प्रश्नोत्तर, 03 स्वाभ्यास, ऑनलाइन आकलन, प्रतिपुष्टि, अनुभव साझा सत्र एवं समापन सत्र द्वारा किया गया। अन्तिम तिथि तक 933 प्रतिभागियों का पंजीकरण प्राप्त हुआ जिनमें से 327 को कार्यशाला हेतु आमंत्रित किया गया। वैसे 251 प्रतिभागियों ने अपने प्रतिभाग की पुष्टि प्रदान की लेकिन उनमें से 230 प्रतिभागियों ने कार्यशाला पूर्ण की और 21 प्रतिभागी अपने व्यक्तिगत कारणों से प्रतिभाग नहीं कर सके। 230 प्रतिभागियों में से 229 भारत के 20 राज्यों एवं 2 केन्द्र शासित प्रदेशों से तथा 01 भारत के बाहर सऊदी अरब से प्रतिभागी रहे। 20 राज्यों से प्रतिभागियों में आंध्र प्रदेश से 10, असम से 01, बिहार से 05, छत्तीसगढ़ से 01, हरियाणा से 22, हिमाचल से 04, झारखंड से 04, कर्नाटक से 11, केरल से 02, मध्य प्रदेश से 03, महाराष्ट्र से 30, ओडिशा से 05, पंजाब से 03, राजस्थान से 16, तमिलनाडु से 09, तेलंगाना से 01, त्रिपुरा से 04, उत्तराखण्ड से 02, उत्तर प्रदेश से 28, पश्चिम बंगाल से 08 तथा 02 केन्द्र शासित प्रदेशों में जम्मू एवं कश्मीर से 02, एवं दिल्ली से 58 प्रतिभागी रहे। कार्यशाला विषय में निष्णात् देश के प्रतिष्ठित संस्थानों से **चार विशेषज्ञों** के कुशल मार्गदर्शन में सभी तकनीकी सत्रों का संचालन किया गया। इन सत्रों में कार्यशाला के मुख्य विषय रहे यथा- ऑनलाइन शिक्षण का विहंगावलोकन, अधिगम प्रबन्धन प्रणाली (LMSs)- एडमोडो, मूडलस, गूगल क्लासरूम, ऑनलाइन कोर्स अभिकल्पन एवं शिक्षण अधिगम हेतु गूगल टूल्स प्रयोग। प्रदर्शित तकनीकी सत्रों के विषयों के आधार पर **04 दत्तकार्य** प्रतिभागियों को विषय विशेषज्ञों द्वारा दिये गये। विशेष सत्र - यू.जी.सी. अध्यक्ष द्वारा ऑनलाइन सम्बोधन में परियोजना अध्यक्ष द्वारा अतिथियों का स्वागत के बाद सारस्वत अतिथि सम्बोधन **डॉ. गणेश ए. हेगडे** (सलाहकार, राष्ट्रीय प्रत्यायन एवं मूल्यांकन परिषद्, बंगलूरु) द्वारा दिया गया। तदोपरान्त मुख्य अतिथि **प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह** (अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली) का सम्बोधन वीडियो संदेश के माध्यम से प्रसारित किया गया जिसके बाद अध्यक्षीय उद्बोधन हमारे विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति द्वारा एवं दोनों अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस सत्र का लाइव प्रसारण विश्वविद्यालय फेसबुक पेज पर किया गया एवं 23 जून 2020 तक कुल व्यूस् की संख्या 441 रही। ऑनलाइन प्रशासित आकलन परीक्षण में **63% प्रतिभागियों ने 60% से अधिक अंक** प्राप्त किये। अंत में विशेषज्ञों के प्रस्तुत व्याख्यानों की गुणवत्ता के बारे में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि चार श्रेणियों यथा- **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम एवं संतोषजनक** में प्राप्त की गई और उनका औसत **78%, 19%, 03% एवं 00%** क्रमशः श्रेणियों में प्राप्त किया गया। इसके साथ ही कार्यशाला के संदर्भ में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि 10 बिंदुओं पर पाँच श्रेणियों में ली गई यथा- **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम संतोषजनक एवं असंतोषजनक**। इन 10 बिन्दुओं की श्रेणियों में प्राप्त औसत प्रतिशत में **75% उत्कृष्ट, 22% अति उत्तम, 03% उत्तम एवं 00% संतोषजनक** प्राप्त हुई। समापन सत्र में परियोजना अध्यक्ष द्वारा गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया तत्पश्चात् पद्मश्री **श्री चमू कृष्ण शास्त्री** (सचिव, संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान, नई दिल्ली) का मुख्य अतिथि सम्बोधन एवं अध्यक्षीय भाषण **प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय** (कुलपति, श्रीला.ब.शा.रा.सं.वि.वि. नई दिल्ली) द्वारा दिया गया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला समापनोपरान्त सफल प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र एवं ई-चित्रावली मेल द्वारा प्रेषित किये गए।